

कृषिवानिकी एकता का उदाहरण—डॉ. ए. अरुणाचलम

झाँसी, 31 अक्टूबर, 2021। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी में आज भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में “राष्ट्रीय एकता दिवस” मनाया गया। इस आयोजन में बुन्देलखण्ड वि”वविद्यालय के अ”वनी मिश्रा तथा नि”ा वि”वकर्मा एवं रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि वि”वविद्यालय के अबनी”ा कुमार, शुभम, आयुषी यादव, मयंक शर्मा, दिगविजाय कुमार एवं सोहिल अंसारी ने वाद-विवाद प्रतियोगिता, जिसका विषय “राष्ट्रीय एकता चुनौतियाँ एवं अवसर” रहा में भाग लिया और राष्ट्रीय एकता पर अपने विचार व्यक्त किये तथा मान्नीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नारा “एक भारत-श्रेष्ठ भारत” की महत्ता पर सभी का ध्यान आकृषित किया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक का कार्य डॉ. सी. के. बाजपेयी ने सम्पादित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये संस्थान के निदे”ाक डॉ. ए. अरुणाचलम ने कहा कि किसी भी दे”ा की ताकत उसकी एकता में निहित होती है और हमारे दे”ा भारतवर्ष की सबसे बड़ा खूबसूरती यही है कि इतने धर्म, सम्प्रदाय, जाति के बावजूद लोग आपस में मिल-जुल कर रहते हैं और दे”ा की एकता बनाये हुये हैं। उन्होंने आगे बताया कि आज के समय में सभी भारतीयों को धर्म और जाति से उठकर सोचने की आव”यकता है और एक सच्चे भारतीय की तरफ कंधे से कंधा मिलाकर कर दे”ा की अखण्डता में अपनी भूमिका निभाना है। उन्होंने कहा कि हम एक हैं क्योंकि हमारा दे”ा एक है तथा एकता कायम है। उन्होंने राष्ट्रीय भोजन खिचड़ी का उल्लेख किया जिसमें सभी अनाज मिलकर एक स्वाद देते हैं। उन्होंने कृषिवानिकी का उल्लेख करते हुये कहा कि हमें प्रकृति से एकता सीखनी चाहिये जैसे- “पेड़+फसल+प”ुपालन” एकता की माला में पिरोकर एक कृषिवानिकी का आकार लेते हैं।

कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कुलगीत से की गयी। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. के. राजराजन ने मंचासीन अतिथियों एवं सभागार में उपस्थित बुन्देलखण्ड वि”वविद्यालय एवं रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि वि”वविद्यालय के छात्र/छात्राओं तथा संस्थान के समस्त कार्मिकों का स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. आर. पी. द्विवेदी ने सभागा में उपस्थित सभी छात्र/छात्राओं तथा संस्थान के समस्त कार्मिकों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। डॉ. शायमा परवीन, बुन्देलखण्ड वि”वविद्यालय ने राष्ट्रीय एकता पर अपने विस्तृत विचार रखे।

कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी तथा कर्मचारीगण तथा बुन्देलखण्ड वि”वविद्यालय एवं रानी लक्ष्मी बाई केन्द्रीय कृषि वि”वविद्यालय के बी.एस.सी.(कृषि) अन्तिम वर्ष के 60 छात्र/छात्रायें सम्मिलित रहे।

कार्यक्रम का संचालन श्री सुरे”ा रमनन एस. एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रियंका सिंह ने किया।

